Seventeenth Loksabha

>

Title: Request for connecting Koraba to Lohardaga through new railway line.

श्रीमती गोमती साय: अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया । मैं पहली बार अपने लोक सभा क्षेत्र रायगढ़, छत्तीसगढ़ से चुनकर आई हूं । मैं अपने क्षेत्रवासियों का इस सभा के माध्यम से बहुत-बहुत आभार व्यक्त करती हूं और धन्यवाद देती हूं ।

अध्यक्ष महोदय, मैं छत्तीसगढ़ के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र जशपुर की निवासी हूं । जशपुर बालासाहेब देशपांडे और कुमार दिलीप सिंह जूदेव जी की कर्मभूमि रही है । जशपुर अत्यंत पिछड़ा जिला है, जहां बहुतायत राष्ट्रपति जी के दत्तक पुत्र पहाड़ी कोरवा समाज के लोग भी निवास करते हैं । जिला जशपुर रेल लाइन से अछूता रहा है, जबकि जशपुर झारखंड की राजधानी रांची, ओडिशा के औद्योगिक नगर राउरकेला एवं मेरे खुद के निर्वाचन क्षेत्र रायगढ़ के बीच में बसा हुआ है । हमारा जशपुर पूरे छत्तीसगढ़ में पढ़ाई के मामले में टॉप पर है । बोर्ड की परीक्षा में यहां के छात्र-छात्राएं टॉप 10 में आते हैं । हमारे यहां पाठ में आलू और मिर्च की तथा पत्थलगांव क्षेत्र में टमाटर की बंपर खेती होती है । इतना सब होने के बावजूद भी जिला जशपुर रेल लाइन से अछूता रहा है । आदरणीय कुमार दिलीप सिंह जूदेव जी ने वर्षों से रेल लाइन लाने हेतु प्रयास किया था ।

मैं माननीय महोदय जी से निवेदन करना चाहती हूं कि जल्द से जल्द मेरे निर्वाचन क्षेत्र रायगढ़ एवं जशपुर में कोरबा से लोहरदगा तक रेल लाइन स्वीकृत करने की कृपा करें । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्रीमती गोमती साय द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

श्री हंस राज हंस जी भी पहली बार बोलेंगे । हंस जी सूफी संत हैं, कभी आप सबको भी सुनाएंगे । हंस जी सूफी भजन भी गाते हैं और संत भी हैं ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप सबके पास समय होगा, तो प्रोग्राम कराएंगे ।

…(व्यवधान)